

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 90

शुक्रवार, अक्टूबर 16, 2026

विशारूपपट्टनम संपादक: गंट्यादा अप्पाराव

पृष्ठों. 4मूल्य. 1रु

'बंद करो... दफा हो जाओ'

सीजेपी के अभिजीत दिपके और नेहा बोरा की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा

**नयी दिल्ली (एजेंसी):**

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और अखिल भारतीय छात्र संघ (आइसा) की प्रमुख नेहा बोरा की गुरुवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा खड़ा हो गया। यह हंगामा सीजेपी के 'लहसा दो तिरंगा' विरोध मार्च से ठीक एक दिन पहले हुआ। यह मार्च शुक्रवार (16 अक्टूबर) को दिल्ली के कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में आयोजित किया जाना है। जब दोनों नेता मीडिया को संबोधित कर रहे थे, तभी नेहा बोरा के बोलने से ठीक पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद कुछ लोगों ने 'बंद करो... दफा हो जाओ'

के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके बाद आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने आयोजकों से हंगामा करने वाले लोगों को कार्यक्रम स्थल से बाहर निकालने का आग्रह किया। मीडिया को संबोधित करते हुए अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि पिछले 10 से 15 दिनों से दिल्ली में छात्र और युवा विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन अधिकारी उन्हें जबरन घसीटकर वहां से हटा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इन प्रदर्शनों में शामिल होने वाले विपक्षी नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, अरविंद

केजरीवाल और पिनराई विजयन भी शामिल हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए दिपके ने कहा, "और यह सब किसके लिए? सिर्फ एक व्यक्ति, ज्ञानेश कुमार के लिए।" उन्होंने आगे आरोप लगाया कि 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बाद रेलवे सेवाएं बंद कर दी गई थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि दिल्ली में मेट्रो सेवाएं बंद कर दी गईं और कई मेट्रो स्टेशनों को भी बंद कर दिया गया। इसके अलावा, अभिजीत दिपके ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जम्मू-कश्मीर से सुरक्षा बलों की तैनाती पर भी सवाल उठाए।

स्वर्ण विजेता क्रिकेट टीमों से मिले पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी):

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार, 15 अक्टूबर को एशियाई खेल 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से मुलाकात की। उन्होंने जापान में आयोजित इन खेलों में दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धियों की सराहना की। यह मुलाकात भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज के हाथों 24 रनों से हार का सामना करने के एक दिन बाद हुई। इस हार के साथ पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर हो गई और अब पांचवां तथा अंतिम मुकाबला निर्णायक होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "इस बार एशियाई खेलों में भारतीय टीम के कई खिलाड़ियों की उम्र महज 15 से 17 वर्ष थी। इतनी कम उम्र में इन खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया और लोगों का दिल जीत लिया।" उन्होंने कहा, "इससे साबित

होता है कि सफलता के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। वास्तव में खेलों में कम उम्र से शुरुआत करना एक अतिरिक्त लाभ है। यही कारण है कि हम कम उम्र से ही खेल प्रतिभाओं की पहचान करने के प्रयास कर रहे हैं। हम विशेष रूप से 5 से 15 वर्ष की आयु के प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षण देने पर जोर दे रहे हैं। आने वाले वर्षों में खेलो इंडिया और उभरता खेलो इंडिया के माध्यम से हजारों नए खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।" प्रधानमंत्री ने आगामी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की तैयारियों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, "हमें आगामी खेल प्रतियोगिताओं के लिए अपनी तैयारियों को और मजबूत करना होगा। वर्ष 2028 में लॉस एंजेलिस ओलंपिक होने वाले हैं। वर्ष 2030 में भारत राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना भी



भारत की आकांक्षा है।" मोदी ने आगे कहा, "इन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए मैंने लाल किले से प्रतिभा खोज अभियान शुरू करने की बात कही थी। आज प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने और उनकी क्षमताओं को निखारने के लिए देश के हर गांव तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। यही खिलाड़ी आने वाले वर्षों में भारत के लिए पदक जीतेंगे।"

आयोजित एशियाई खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। भारतीय पुरुष और महिला, दोनों क्रिकेट टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। पुरुष क्रिकेट टीम ने फाइनल मुकाबले में अपने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रनों से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते

हुए निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 211 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। इस तरह भारत ने अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने श्रीलंका को 147 रनों के बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इंद्रकीलाद्रि पर वीआईपी प्रोटोकॉल दर्शन रद्द: दुर्गा मंदिर के ईओ

विजयवाड़ा, 15 अक्टूबर:

मूल नक्षत्र के अवसर पर शुक्रवार को देवी कनक दुर्गा भक्तों को सरस्वती देवी के अलंकार में दर्शन देंगी। श्री दुर्गा मल्लेश्वर स्वामी देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) शीना नायक ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए वीआईपी प्रोटोकॉल दर्शन रद्द कर दिए गए हैं।

ईओ ने बताया कि शुक्रवार शाम

4:30 बजे से 5:30 बजे के बीच मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उनकी पत्नी देवी को रेशमी वस्त्र अर्पित करेंगे। श्रद्धालुओं को मध्यरात्रि के बाद लगभग 12:30 से 12:45 बजे के बीच देवी के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए शीना नायक ने बताया कि इंद्रकीलाद्रि पर देवी शारदीय नवरात्रि उत्सव भव्य रूप से जारी हैं। उत्सव के पांचवें दिन

देवी ललिता त्रिपुर सुंदरी के अलंकार में भक्तों को दर्शन दे रही हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु इंद्रकीलाद्रि पहुंच रहे हैं। नवरात्रि उत्सव शुरू होने से अब तक लगभग सात लाख श्रद्धालु देवी कनक दुर्गा के दर्शन कर चुके हैं। ईओ ने कहा कि आम श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

कतारों और तीन होलिंग क्षेत्रों में लगभग 30 हजार श्रद्धालुओं के प्रतीक्षा करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक 72 हजार श्रद्धालुओं ने अन्न प्रसाद ग्रहण किया है, जबकि लगभग 8.70 लाख लड्डू प्रसाद की बिक्री हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्सव के दौरान घाट रोड पर चार पहिया वाहनों के आवागमन की अनुमति नहीं होगी। कतारों और होलिंग क्षेत्रों में प्रतीक्षा

कर रहे श्रद्धालुओं को पेयजल, छाछ, बिस्कुट और भोजन वितरित किया जा रहा है। शीना नायक ने बताया कि दशहरा उत्सव की व्यवस्थाओं की निगरानी एनटीआर जिला कलेक्टर, पुलिस आयुक्त और देवस्थान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी लगातार कर रहे हैं। ईओ ने उत्सवों के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विजयवाड़ा में राष्ट्रीय सरस मेले का उद्घाटन,

राष्ट्रपति मुर्मु ने स्टॉलों का किया दौरा

**(पेन पॉवर न्यूज):**

विजयवाड़ा, 15 अक्टूबर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न राज्यों से आई इवाक्रा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महिला उद्यमियों की प्रतिभा, रचनात्मकता, कौशल और उद्यमशीलता की विशेष रूप से सराहना की। राष्ट्रीय सरस मेले में

लगभग 650 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारंपरिक कारीगरी और विभिन्न कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, किंजरापु राममोहन नायडू और पेम्मासानी चंद्रशेखर के साथ सांसद कैसिनेनी शिवनाथ (चिन्नी) भी शामिल

हुए। राष्ट्रीय सरस मेला 2026 का आयोजन 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस मेले का मुख्य उद्देश्य इवाक्रा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। आंध्र प्रदेश सरकार 'स्वयं एपी' ब्रांड के नाम से इवाक्रा महिलाओं के उत्पादों के विपणन की सुविधा उपलब्ध करा रही है।

राष्ट्रीय सरस मेला 2026 का आयोजन 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस मेले का मुख्य उद्देश्य इवाक्रा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। आंध्र प्रदेश सरकार 'स्वयं एपी' ब्रांड के नाम से इवाक्रा महिलाओं के उत्पादों के विपणन की सुविधा उपलब्ध करा रही है।

महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए कुल 650 स्टॉल स्थापित किए गए हैं। अब तक राष्ट्रीय सरस मेले का आयोजन देश की राजधानी नई दिल्ली में किया जाता रहा है। पहली बार आंध्र प्रदेश में इस राष्ट्रीय स्तर के मेले का आयोजन किया जा रहा है।

इवाक्रा समूहों का कारोबार 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

(पेन पॉवर न्यूज):

विजयवाड़ा, 15 अक्टूबर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा के पुन्नमी घाट पर राष्ट्रीय सरस मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राष्ट्रीय सरस मेले के उद्घाटन के लिए विजयवाड़ा पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के बाद पहली बार देवी कनक दुर्गा की पावन उपस्थिति में विजयवाड़ा में इस मेले का आयोजन होना अत्यंत प्रसन्नता की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दशहरा शारदीय नवरात्रि उत्सवों के दौरान एक ओर देवी कनक

दुर्गा और दूसरी ओर कृष्णा नदी के तट पर राष्ट्रीय सरस मेले का आयोजन एक विशेष अवसर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जीवन संघर्ष की सराहना करते हुए चंद्रबाबू ने कहा कि उनका जन्म एक गरीब परिवार में हुआ था और उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की थी। अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वे अपने दृढ़ संकल्प और परिश्रम के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने यह साबित किया है कि यदि महिलाएं दृढ़ संकल्प कर लें, तो वे सफलता की किसी भी

ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं। महिला शक्ति का प्रदर्शन है राष्ट्रीय सरस मेला मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की शक्ति, प्रतिभा और क्षमताओं को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से विजयवाड़ा में पहली बार राष्ट्रीय सरस मेले का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि मेले में लगाए गए 650 स्टॉल महिलाओं के कौशल, रचनात्मकता और उद्यमशीलता का प्रमाण हैं। इस मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना और नए व्यवसायों के लिए अवसर पैदा करना है। चंद्रबाबू ने कहा कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो उनका परिवार, राज्य और पूरा देश प्रगति करता है।



उन्होंने महिला उद्यमियों से अपने स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और उन्हें बड़े ब्रांड के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।

2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी अहम: राष्ट्रपति मुर्मु

(पेन पॉवर न्यूज):

विजयवाड़ा, 15 अक्टूबर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विजयवाड़ा के पुन्नमी घाट पर आयोजित राष्ट्रीय सरस मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि विजयवाड़ा आकर उन्हें बेहद खुशी हुई है और उन्हें कनक दुर्गा मंदिर में देवी के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि दुर्गा देवी उत्सवों के दौरान आयोजित सरस मेले के अंतर्गत 'लखपति दीदी' मेले का आयोजन एक विशेष अवसर है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ग्रामीण विकास का अर्थ गांवों का समग्र

विकास है। उन्होंने महिला उद्यमियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का दौरा करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के चेहरों पर दिखाई देने वाला उत्साह और मुस्कान उनकी आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और संतुष्टि को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि एक समय ऐसा था जब महिलाएं पिछड़ी हुई थीं और केवल परिवार की देखभाल तक सीमित रहती थीं। छोटी-छोटी आर्थिक जरूरतों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन आज महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

दूसरों का सहारा बन रही महिलाएं

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि महिलाएं अब केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बन रही हैं, बल्कि दूसरों को भी सहारा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, महिलाओं के दृढ़ संकल्प और देश के सभी मुख्यमंत्रियों के सामूहिक प्रयासों के



परिणामस्वरूप महिला सशक्तीकरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत वर्ष 2047 से पहले ही विकसित राष्ट्र बन सकता है और इसमें कोई संदेह नहीं है।

संपादकीय

राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए

राजनीति केवल सत्ता के गलियारों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने, नेताओं के आसपास घूमने, प्रशंसा के पुल बांधने और व्यक्तिगत लाभ के अवसर तलाशने का माध्यम नहीं है। राजनीति का वास्तविक उद्देश्य जनसेवा, जनसमस्याओं का समाधान और व्यवस्था को जनहित के प्रति जवाबदेह बनाना है। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी प्रवृत्ति तेजी से दिखाई देती है, जिसमें अनेक लोग अपनी राजनीतिक पहचान और भविष्य को अपने विचारों, कार्यों तथा जनाधार के बजाय किसी प्रभावशाली नेता की निकटता से जोड़कर देखते हैं। ऐसे में यह कहना प्रासंगिक हो जाता है कि राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए। यह कथन केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र, आत्मसम्मान और वैचारिक स्वतंत्रता की कसौटी है। चमचा बनने का अर्थ है- बिना सोचे-समझे किसी की हां में हां मिलाना, गलत को भी सही ठहराना और अपने विवेक को व्यक्तिगत लाभ के लिए गिरवी रख देना। इसके विपरीत, बेलचा बनने का अर्थ है- जमीन से जुड़ना, जनसमस्याओं की जड़ों तक पहुंचना, व्यवस्था में जमी गंदगी को बाहर निकालना और विकास के रास्ते में खड़ी बाधाओं को हटाने का साहस दिखाना। राजनीति में किसी वरिष्ठ नेता का सम्मान करना, संगठन के प्रति निष्ठावान रहना और नेतृत्व के निर्णयों का समर्थन करना गलत नहीं है। आखिरकार, किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती अनुशासन, सामूहिकता और संगठनात्मक निष्ठा पर निर्भर करती है। लेकिन निष्ठा और चापलूसी के बीच एक स्पष्ट अंतर है। निष्ठा संगठन के सिद्धांतों के प्रति होती है, जबकि चापलूसी अक्सर व्यक्तिगत स्वार्थ के इर्द-गिर्द घूमती है। जब कोई व्यक्ति नेतृत्व की हर बात को अंतिम सत्य मानने लगता है, तब उसकी स्वतंत्र राजनीतिक सोच कमजोर पड़ने लगती है। वह जनता की समस्याओं पर सवाल उठाने के बजाय यह देखने लगता है कि उसके सवाल से किसी नेता की नाराजगी तो नहीं बढ़ जाएगी। धीरे-धीरे जनहित पीछे छूट जाता है और व्यक्तिगत लाभ प्राथमिकता बन जाता है। ऐसी राजनीति में पद तो मिल सकते हैं, लेकिन जनविश्वास अर्जित करना कठिन हो जाता है। क्योंकि जनता केवल यह नहीं देखती कि कौन किस नेता के कितने करीब है; जनता यह भी देखती है कि संकट के समय कौन उसके साथ खड़ा हुआ, किसने उसकी आवाज उठाई और किसने जिम्मेदार लोगों से जवाब मांगा। राजनीति में वास्तविक अस्तित्व किसी पद, सिफारिश, गुट या प्रभावशाली व्यक्ति की कृपा पर स्थायी रूप से नहीं टिका रह सकता। पद बदलते हैं, सत्ता के समीकरण बदलते हैं और राजनीतिक परिस्थितियां भी समय के साथ कवचट लेती हैं। ऐसे में वही व्यक्ति लंबे समय तक अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकता है, जिसने जनता के बीच अपना विश्वास, कार्यकर्ताओं के बीच अपना सम्मान और संगठन में अपनी उपयोगिता स्थापित की हो। यदि किसी राजनीतिक कार्यकर्ता की पहचान केवल इस बात से है कि वह किस नेता के साथ दिखाई देता है, तो उसका राजनीतिक भविष्य नेतृत्व में होने वाले बदलावों के साथ प्रभावित हो सकता है। लेकिन यदि उसकी पहचान जनसमस्याओं के समाधान, संगठन के विस्तार, जनहित में संघर्ष और स्पष्ट विचारों से है, तो परिस्थितियां बदलने पर भी उसका महत्व बना रह सकता है। राजनीतिक अस्तित्व का वास्तविक अर्थ केवल पद हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसा विश्वास अर्जित करना है जिसके कारण लोग आपकी बात सुनें, आपके संघर्ष पर भरोसा करें और आपके अपनी समस्याओं का प्रतिनिधि मानें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत सवाल पूछने का अधिकार है। यदि किसी जनप्रतिनिधि, मंत्री, अधिकारी या संगठन के पदाधिकारी से जनहित से जुड़े विषय पर सवाल पूछा जाता है, तो उसे व्यक्तिगत विरोध या अनुशासनहीनता के चरमे से नहीं देखा जाना चाहिए। सत्ता में बैठे लोगों की प्रशंसा करना आसान है, लेकिन उनकी गलतियों पर विमर्शता और तथ्यों के साथ सवाल उठाना साहस का काम है। राजनीतिक कार्यकर्ता का दायित्व केवल अपने नेतृत्व की उपलब्धियों का प्रचार करना नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और वास्तविक परिस्थितियों के बीच की दूरी को नेतृत्व तक पहुंचाना भी है। यदि किसी क्षेत्र में सड़कें जर्जर हैं, अस्पतालों में सुविधाओं की कमी है, युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं, किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है या सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा है, तो इन मुद्दों को उठाना राजनीति का मूल कर्तव्य है। जो कार्यकर्ता इन समस्याओं को जानते हुए भी केवल अपनी राजनीतिक सुविधा के कारण मौन रहता है, उसे आत्मसंशय करना चाहिए। सवाल यह नहीं है कि नेतृत्व नाराज होगा या प्रशंसा, सवाल यह है कि जनता की आवाज को उचित मंच तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? व्यवस्था में कमियां अपने आप दूर नहीं होतीं। इसके लिए ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है जो समस्या को पहचानें, उसके कारणों को समझें, प्रमाणों के आधार पर सवाल उठाएं और समाधान के लिए निरंतर प्रयास करें। बेलचा जमीन की ऊपरी परत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खुदाई करके भीतर तक पहुंचता है। इसी प्रतीकात्मक अर्थ में राजनीति को भी ऐसे कार्यकर्ताओं की जरूरत है जो केवल मंचों पर भाषण न दें, बल्कि गांवों, कस्बों, वाडों और आम नागरिकों के बीच जाकर वास्तविक समस्याओं को समझें। राजनीति का मूल्यार्कन इस आधार पर होना चाहिए कि किसी जनप्रतिनिधि ने अपने क्षेत्र में क्या बदलाव किया, किसी पदाधिकारी ने संगठन को कितना मजबूत बनाया और किसी कार्यकर्ता ने जनता के लिए कितना संघर्ष किया। केवल स्वागत समारोहों में उपस्थिति, बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें, उनके प्रशाल मीडिया पर प्रशंसा के संदेश किसी व्यक्ति की वास्तविक जनसेवा का प्रमाण प्रमाण नहीं हो सकते। व्यवस्था की खामियों को उजागर करना तभी सार्थक है, जब आलोचना तथ्यों पर आधारित हो और उसका उद्देश्य सुधार हो। केवल विरोध के लिए विरोध करना भी उतना ही नुकसानदायक है, जितना हर गलत निर्णय का समर्थन करना। किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती इस बात से तय होती है कि वहां विचारों, सुझावों और असहमति के लिए कितनी जगह है। यदि नेतृत्व केवल प्रशंसा सुनना चाहता है और असहज सवाल पूछने वालों को विरोधी मानने लगता है, तो धीरे-धीरे संगठन के भीतर वास्तविक समस्याओं की जानकारी पहुंचनी बंद हो सकती है। एक सक्षम नेतृत्व वही है जो अपने समर्थकों से भी तथ्यात्मक सवाल सुन सके, गलतियों को स्वीकार करे और सुधार के लिए तैयार रहे। जो कार्यकर्ता कमियों की ओर ध्यान दिलाता है, वह हमेशा विरोधी नहीं होता; कई बार वही संगठन को बड़ी राजनीतिक क्षति से बचाने का प्रयास कर रहा होता है। इसी तरह कार्यकर्ताओं को भी अपनी आलोचना में पर्याप्त, प्रमाण और समाधान का भाव बनाए रखना चाहिए। व्यक्तिगत आरोप, अपमानजनक भाषा और निराधार दावे राजनीतिक विमर्श को कमजोर करते हैं। असहमति का उद्देश्य किसी व्यक्ति को नीचा दिखाना नहीं, बल्कि निर्णयों और व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए। राजनीति में आगे बढ़ने के लिए संवाद, संबंध और संगठनात्मक सहयोग आवश्यक हैं। लेकिन इन सबके बीच अपने आत्मसम्मान और वैचारिक स्वतंत्रता को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि कोई व्यक्ति केवल पद पाने की उम्मीद में अपनी बात कहने का साहस खो देता है, तो उसे यह समझना चाहिए कि उसने पद की संभावना के सामने अपने राजनीतिक व्यक्तिगत को छेद कर लिया है। राजनीतिक कार्यकर्ता को नेतृत्व का सहयोगी बनना चाहिए, निजी प्रशंसा काग नहीं। उसे संगठन के निर्णयों को समझना चाहिए, जनहित में उनका समर्थन करना चाहिए और जहां आवश्यक हो, उचित मंच पर सुधार के सुझाव भी देने चाहिए। यही परिपक्व राजनीतिक व्यवहार है। राजनीति में सम्मान मांगने से अधिक, अपने काम से अर्जित किया जाना है। जनता के बीच समय देना, समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद करना, जरूरत पड़ने पर संघर्ष करना और सफलता मिलने पर उसका श्रेय जनता तथा सामूहिक प्रयास को देना,ये ऐसे गुण हैं जो किसी कार्यकर्ता को वास्तविक पहचान दिलाते हैं। आज राजनीति से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं से कुछ सवाल पूछने की जरूरत है,क्या उसकी सक्रियता जनता की समस्याओं के लिए है या केवल नेताओं की नजरों में बने रहने के लिए? क्या वह गलत निर्णयों पर तथ्यात्मक सवाल उठाने का साहस रखता है? क्या उसकी पहचान उसके काम से है या केवल उसकी राजनीतिक निपटता से? इन सवालों के उत्तर ही राजनीतिक चरित्र की वास्तविक परीक्षा हैं।

आखिर हतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब, अमेरिका और ‘इस्लामिक नाटो’ क्यों विफल प्रतीत हो रहे हैं?

सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी को निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं। जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपकी इसमें पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक मीडिया की 12इं31 अक्टूबर की रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियों और हतियों की बढ़ती

क्षमताओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति हतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेवस है। दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता क्या है? दरअसल, यह अमेरिकी इशारों पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा ठकारने की नहीं है। अव जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिछ्ने को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रांक्सी शिया संगठनों की रणनीति यही है। देसीउपाद खोजें तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएं हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा।



सवाल यह है कि हतियों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएं हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा।

दूसरा सवाल है कि कम लागत वाले हमले और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हूती क्यों भारी पड़ रहा है? शायद इसलिए कि हूती संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। ड्रोन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएँ सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों की जाँच कर रहे हैं। तीसरा सवाल यह है कि यमन का भूगोल और राजनीतिक

परिस्थितियाँ हतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भौगोलिक परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं। हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक तथा सैन्य समूह हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग-अलग चुनौतियाँ हैं। चौथा सवाल है कि आखिर इसके पीछे ईरान की भूमिका क्या है? तो जवाब होगा कि हूती आंदोलन को ईरान से समर्थन और तकनीकी सहायता मिलने की बात लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणों में सामने आती रही है। लेकिन हतियों को केवल ईरान का निर्देश मानकर चलना भी अधूरा विश्लेषण होगा। एक अध्ययन के अनुसार, ईरान और हतियों के हित कई मामलों में एक-दूसरे से मेल खाते हैं, लेकिन हतियों के अपने स्थानीय राजनीतिक उद्देश्य भी हैं। इसका कूटनीतिक अर्थ यह है कि ईरान के साथ बातचीत उपयोगी हो सकती है, लेकिन उससे हतियों के सभी निर्णय स्वतः नियंत्रित हो जाएँगे, इसकी गारंटी नहीं है। पांचवां सवाल यह है कि आखिर अमेरिका हतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रहा? तो जवाब होगा कि अमेरिका की स्थिति में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास है-वह सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करना चाहता है, लेकिन यमन में एक ओर व्यापक युद्ध में उलझने से भी बचना चाहता है।

मध्य प्रदेश में मामा Vs मुख्यमंत्री की जंग तेज! शिवराज सिंह चौहान के तीखे तेवर से राज्य की राजनीति गर्माई



बात कही। देखा जाये तो राजनीति में बात सिर्फ इतनी नहीं है कि किसी गांव में मकान टूटे और एक नेता ने नाराजगी जता दी। सवाल यह है कि शिवराज ने यह आवाज उस सरकार के खिलाफ उठाई है, जिसके मुखिया उनकी ही पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। मध्य प्रदेश की सियासत में इन दिनों फिर वही पुराना सवाल सिर उठाने लगा है कि क्या सूबे की राजनीति में शिवराज सिंह चौहान का दखल अब भी उतना ही दमदार है, या मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी अलग लकीर खींचने में जुटे हैं? ऊपर से सब कुछ भाजपा के अनुशासित कुनबे जैसा दिखता है, लेकिन बुधनी के कोसमी गांव से लेकर किसानों की मूंग खरीदी और लाड़ली बहना योजना तक, कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिन्होंने भोपाल के सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। उल्लेखनीय यह है कि ताजा चिंगारी सोहोरे जिले के कोसमी गांव से उठी है। यह वही इलाका है, जहां शिवराज सिंह चौहान की बरसों पुरानी राजनीतिक जमीन रही है। गांव में आदिवासी परिवारों के मकान हटाए जाने, फसलों को नुकसान पहुंचने और कुओं को मिट्टी से भरने की शिकायतों पर शिवराज ने अपनी ही पार्टी की सरकार के अधिकारियों को कठपट्टी में खड़ा कर दिया। उनका रुख साफ था कि सरकार किसी की भी हो, गरीब और आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की और मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात करने की

मध्य प्रदेश की राजनीति में हर घटना का एक स्थानीय और एक राजनीतिक अर्थ होता है। कोसमी का मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि शिवराज ने जिस इलाके उस सरकार के खिलाफ उठाई है, जिसके मुखिया उनकी ही पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। सामने आना कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल अपने और प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आवास तथा भोजन की व्यवस्था करने की बात कही। दूसरी तरफ, कलेक्टर की रिपोर्ट में वन भूमि पर अतिक्रमण और सागौन के पौधों को नुकसान पहुंचाने के आरोप सामने आए। यानी मामला केवल सियासी बयानबाजी का नहीं, बल्कि वन संरक्षण, प्रशासनिक कार्रवाई और आदिवासी परिवारों के अधिकारों का भी है। लेकिन

वाली टिप्पणी ने पुरानी राजनीतिक विरासत और मौजूदा सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर बहस छेड़ दी है। शिवराज के लिए यह योजना महज सरकारी खर्च का हिसाब नहीं, उनकी राजनीतिक पहचान का भी हिस्सा है। वहाँ, मौजूदा सरकार के सामने बजट, दूसरी योजनाओं और विकास कार्यों के बीच संतुलन बैठाने की चुनौती है। तीसरा मोर्चा किसानों का है। मूंग की खरीदी को लेकर जब किसान परेशान हुए, तब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खरीद तेज करने की मांग की। राज्य सरकार को आखिरकार खरीदी बढ़ाने की मांग पर सहमति देनी पड़ी। देखा जाये तो यहां भी तस्वीर दिलचस्प है। केंद्र में मंत्री शिवराज राज्य में मुख्यमंत्री मोहन यादव और बीच में किसान, जिनकी फसल और भुगतान का सवाल सीधे सरकार की जवाबदेही से जुड़ा है। शिवराज का हस्तक्षेप किसानों के लिए मददगार हो सकता है, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह राज्य सरकार पर दबाव भी बनाता है। यही वजह है कि शिवराज बनाम मोहन की चर्चा बार-बार लौट आती है। एक तरफ शिवराज हैं, जिनकी पहचान लंबे मुख्यमंत्री कार्यकाल, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रदेश के गांव-गांव में बने पुराने संपर्कों से जुड़ी है। दूसरी तरफ मोहन यादव हैं, जिन्हें अपनी सरकार की नीतियों, प्रशासनिक फैसलों और नेतृत्व की अलग पहचान स्थापित करनी है। दोनों की भूमिकाएं अलग हैं, मगर प्रदेश की राजनीति में उनका असर एक-दूसरे से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। फिर भी, हर मतभेद को मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई

मान लेना जल्दबाजी होगी। भाजपा में संगठन का अपना अनुशासन और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका है। अभी तक सामने आई घटनाएं प्रशासन, किसान नीति और राजनीतिक विरासत पर मतभेद दिखाती हैं; मगर वे किसी औपचारिक सत्ता-संघर्ष को साबित नहीं करतीं। फिलहाल मध्य प्रदेश की राजनीति का असली इम्तिहान बयानों से आगे होगा। कोसमी की जाँच में क्या कार्रवाई होती है, प्रभावित परिवारों को क्या राहत मिलती है, लाड़ली बहना योजना को लेकर राज्य सरकार क्या फैसला करती है और किसानों की खरीदी व्यवस्था कितनी दुरुस्त होती है, इन सवालों के जवाब ही आगे की तस्वीर साफ करेंगे। बहरहाल, भोपाल की सियासत में मामा शिवराज की हुंकार अब भी गूंज रही है, तो मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अपने फैसलों से सत्ता पर अपनी पकड़ और नेतृत्व की लकीर खींचने में जुटे हैं। दोनों के बीच सियासी लिंचवच की आहट साफ सुनाई दे रही है, लेकिन इसे खुली जंग का नाम देना अभी जल्दबाजी होगी। असली तस्वीर तब खुलेगी जब यह सामने आये कि कोसमी के मामले में सरकार के कदम क्या होते हैं, लाड़ली बहना योजना पर क्या रुख अपनाया जाता है और किसानों के सवाल पर किसका पलड़ा भारी पड़ता है। क्योंकि मध्य प्रदेश की राजनीति में सियासी इरादे सिर्फ बयानों से जाहिर नहीं होते, उनका असली रंग फैसलों में दिखता है। भोपाल में फिलहाल बयान गूंज रहे हैं, लेकिन निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अगली चाल कौन चलता है और बाजी किस करवट बैठती है?

आज का राशि फल

मेघ राशि: आज का दिन जीवन में मील का पथर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यक्तिगत काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से दायरोट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर पेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में

आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा।

आज आपकी आँखों में आँसू भरे होंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। धनु **राशि:** आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को

समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा। **कर्क राशि:** आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूँढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन

अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़े से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरिन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समय पर उचित निर्णय लेने से समस्या आती है तो इसकी वजह

आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा।

आज आपकी आँखों में आँसू भरे होंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। धनु **राशि:** आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन

अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को

आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा।

आज आपकी आँखों में आँसू भरे होंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। धनु **राशि:** आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को

आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा।

अखिलेश यादव बोले- इस बार भाजपा का घड़ा नहीं, टैंकर फूटेगा वोट काटने और फर्जी मतदान का लगाया आरोप

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा और चुनाव आयोग पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी, विपक्षी मतदाताओं के नाम काटने और फर्जी वोट जुड़वाने का आरोप लगाते हुए सपा कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील की। अखिलेश ने कहा कि इस बार भाजपा का घड़ा नहीं, बल्कि टैंकर फूटेगा। उन्होंने दावा किया कि पीडीए, मुस्लिम-यादव और युवा मतदाताओं के समर्थन से सपा चुनाव में जीत हासिल करेगी।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी के जरिए एक व्यक्ति के नाम पर कई वोट दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक वोट व्यक्ति डालेगा और नौ वोट भाजपा डालेगी। उन्होंने नंदलाल निषाद का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें सामने लाने के लिए एक लाख रुपये का पुरस्कार रखा गया था, लेकिन वह खुद सामने आ गए। अखिलेश ने दावा किया कि उन्हें दस्तखत करना भी नहीं



आता। उन्होंने विकास यादव और शंभू शंकर शर्मा के नामों का जिक्र करते हुए मतदाता सूची से जुड़े सवाल उठाए। अखिलेश ने कहा कि उनकी पार्टी ने 100 विधानसभा क्षेत्रों में शिकायतें की हैं। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने समर्थकों के वोट जुड़वाएं और किसी का नाम गलत तरीके से कटने न दें। उन्होंने 17 और 24 तारीख को इस तिहाज से महत्वपूर्ण बताया।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल
सपा अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश

कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि चुनाव आयोग की साख खत्म हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग कई मौकों पर भाजपा के साथ खड़ा दिखाई दिया। अखिलेश ने कुंदरकी उपचुनाव का जिक्र करते हुए चुनाव में धांधली का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पीडीए परिवार का कोई व्यक्ति चुनाव ड्यूटी में नहीं है और ईआरओ के स्तर पर भी प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा नकली वोट जुड़वाने, विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने, ईवीएम में गड़बड़ी कराने और हारे हुए प्रत्याशियों को जीत का प्रमाणपत्र दिलाने की कोशिश करती है। ये सभी उनके आरोप हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

इकाना स्टेडियम और कैसर अस्पताल के नामकरण पर तंज

अखिलेश यादव ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम और कैसर अस्पताल के नामकरण को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इकाना स्टेडियम का नाम अटल बिहारी वाजपेयी और कैसर अस्पताल का नाम कल्याण सिंह के नाम

प्यार की कोई उम्र नहीं, औरैया में इश्क ने तोड़ी उम्र की दीवार, 75 साल के दूल्हे की 30 साल की दुल्हन से सगाई



औरैया, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में 75 साल के रामसुर और 30 साल की रानी राजपूत की प्रेम कहानी चर्चा में है। दोनों की उम्र में 45 साल का अंतर है। दोनों ने करीब एक सप्ताह पहले सगाई कर ली है और अब शादी की तैयारी है। सगाई का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वायरल होने के बाद यह रिश्ता लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। रानी राजपूत इंस्टाग्राम ब्लॉगर हैं और जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के दयालपुर की रहने वाली हैं,

पर रखा गया। लोक भवन में अटल जी की प्रतिमा का जिक्र करते हुए उन्होंने तंज किया कि वहां अटल जी अकेले बोर हो रहे हैं।

विदेश नीति और बैंक शाखाओं का मुद्दा उठाया

विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए अखिलेश ने विदेशों में नाविकों की मौत और ईरान से जुड़े हालात का जिक्र किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार के विश्वगुरु होने के दावे खोखले हैं। उनका कहना था कि अगर प्रधानमंत्री पाकिस्तान की तरह ईरान में भी हस्तक्षेप करते, तो युद्ध और महंगाई की स्थिति अलग हो सकती थी।

अखिलेश ने बैंक शाखाओं के विस्तार का दावा करते हुए कहा कि सपा सरकार के समय छह हजार बैंक शाखाएं खुलवाने की बात पर लोगों ने भरोसा नहीं किया था, लेकिन एक दिन में 300 शाखाएं खोलने का रिकॉर्ड बना। उन्होंने उत्तर प्रदेश से इलाहाबाद बैंक के चले जाने और त्योहारों के मौसम में एक और बैंक के जाने का भी जिक्र किया।

नाव में थे 20 छेद कपड़े-बोरे से किया गया था बंद, राघोपुर हादसे की आंखों देखी



वैशाली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में वैशाली जिले के राघोपुर में हुए नाव हादसे में 13 बच्चों की मौत हो गई। ये हादसा मंगलवार की रात को हुआ। अब इस हादसे को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हादसे वाली नाव में 20 से अधिक छेद थे। किनारे में लगभग

एक फीट लंबी दरार थी, जिसमें कपड़ा और बोरा दूसा गया था।

नाव में महज पांच लोगों को बिठाने की क्षमता थी, लेकिन उस पर 20 से ज्यादा लोग सवार थे। गांव वालों ने कहा कि प्रशासन ने इस नाव के परिचालन को नहीं रोका था। नाव पर सावर 70 साल के बुजुर्ग नाव चालक ने हादसे की आंखों देखी बताई है। बुजुर्ग का नाम बिदेश्वर राय है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राय ने बताया कि नाव चलाने वाला युवक नौसिखिया था। उसको ये अंदाज नहीं था कि गंगा नदी कितनी गहरी है। नाव की क्षमता से कई गुना अधिक लोग उस पर सावर थे। राय ने बताया कि कुछ दूर जाते ही नाव में पानी भरने लगा। फिर नाव डगमगाई और सभी पानी में डूब गए।

बिदेश्वर राय ने कहा कि उनकी अकल मारी गई थी, जो उन्होंने पतवार नौसिखिए को दे दी। अगर वो खुद नाव चलाते तो गहराई का अंदाजा लगा लेते। ज्यादा वजन देखकर बच्चों को रोक देते और सभी को दो बार में नदी पार करवाते। वहीं मृतक बच्चों के परिजनों ने बुधवार को पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया। मृतकों के परिजनों ने प्रशासन के अधिकारियों के सामने विरोध किया। मृतकों के परिजनों को तिरहुत प्रमंडल के कमीशनर गिरिधर दायल सिंह से चार-चार लाख रुपये के चेक दिए। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने निजी नाव के रात के परिचालन को गंभीरता से लिया है। उन्होंने राघोपुर के अंचलधिकारी और थानाध्यक्ष से सफाई मांगी है। अगले आदेश तक अंचलधिकारी और थानाध्यक्षको सैलरी नहीं दी जाएगी।

धान काटने खेत गई 12 साल की बच्ची लापता, 30 किमी दूर गंभीर हालत में मिली, दुष्कर्म की आशंका

सीतापुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में 12 साल की बच्ची के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। बुधवार शाम बच्ची अपने परिवार के साथ धान काटने खेत गई थीं। परिजनों ने उसे घर भेज दिया, लेकिन वह घर नहीं पहुंची। परिवार उसकी तलाश करता रहा।

देर रात बच्ची गांव से करीब 30 किलोमीटर दूर रामपुर मथुरा क्षेत्र के एक बंधे पर गंभीर हालत में मिली। परिजनों ने अपहरण और दुष्कर्म की आशंका जताई है। बच्ची को लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पता लगाने में जुटी है कि बच्ची इतनी दूर कैसे पहुंची। मामला सीतापुर जिले के सदरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

शाम करीब चार बजे 12 साल की बच्ची अपने परिवार के साथ खेत में धान काटने गई थी। कुछ देर बाद परिजनों ने उसे घर लौटने के लिए

भेज दिया। लेकिन बच्ची घर नहीं पहुंची। जब परिवार के लोग खेत से वापस आए तो बच्ची घर पर नहीं मिली। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। देर रात पुलिस ने ग्राम प्रधान के जरिए बच्ची के परिजनों को सूचना दी।

बताया गया कि रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के अंगुरेरा स्थित बंधे पर एक बच्ची गंभीर हालत में मिली है। सूचना मिलने के बाद परिजन वहां पहुंचे। बच्ची को पहचान होने के बाद परिवार में चिंता बढ गई। जिस स्थान पर बच्ची मिली, वह उसके गांव से करीब 30 किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची वहां तक कैसे पहुंची और इस दौरान उसके साथ क्या हुआ। बच्ची की हालत देखकर परिजनों ने उसके साथ गंभीर अपराध होने की आशंका जताई है।

शराब माफिया ने सिपाही के सिर मे मारी गोली शराब लदी वैन का पीछा कर रहे थे; रुकने को कहा तो ताबड़तोड़ फायरिंग की



नालंदा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में शराब तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की है। इस गोलीबारी में एक गोली सिपाही को लगी, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक की पहचान कॉन्स्टेबल अजीत कुमार (30) के रूप में हुई है। उत्पाद अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पटना मुख्यालय की एक्साइज इंस्पेक्शन ब्यूरो (ईआईबी) को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप झारखंड से नालंदा लाई जा रही है।

शराब से लदी गाड़ी नवादा जिले के खराट मोड़ से आगे बढ़ी थी। उस वक्त पटना की ईआईबी टीम ने राजगीर उत्पाद विभाग के सब-ईस्पेक्टर और स्थानीय टीम के साथ मिलकर शराब तस्करों का पीछा करना शुरू किया पावापुरी गिरियक इलाके में हाईवे पर चलती गाड़ी में गोली चलाई गई, जो पीछे बैठे कॉन्स्टेबल अजीत

को लगी। अजीत कुमार नालंदा के हिलसा के रहने वाले थे। नालंदा मद्य निषेध विभाग के अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने बताया कि विभाग को झारखंड की ओर से एक पिकअप वाहन में शराब की खेप आने की गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने घेराबंदी की थी। टीम वाहन को रोकने के प्रयास में जुटी थी, लेकिन तस्कर प्लाईओवर के ऊपर से न जाकर नीचे की सड़क से भागने लगे।

टीम जब धूमकर नीचे पहुंची, तभी एक काले रंग की स्कॉर्पियो तेजी से भागने लगी। अजीत कुमार ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे हुए थे, अपराधी को टीम चेस कर रही थी, तभी पीछे पुलिस टीम का पीछा कर रहे अपराधियों ने अचानक फायरिंग कर दी। जिससे अजित कुमार के सिर में गोली लगी और घायल हो गए। गोली लगने के तुरंत बाद साथी पुलिसकर्मियों ने आनन-फानन में घायल सिपाही को पावापुरी स्थित भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने फौरन पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। पीएमसीएच में इलाज के दौरान सिपाही ने दम तोड़ दिया। शव का पोस्टमार्टम पटना में कराया जा रहा है।

वीआरएस वाले पूर्व सैनिक भी यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती के हकदार हाईकोर्ट ने पीईटी की दी अनुमति

प्रयागराज, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2025 में पूर्व सैनिकों के एक बड़े वर्ग को राहत देते हुए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) में शामिल होने की अंतरिम अनुमति दी है। वीआरएस लेने वाले पूर्व सैनिक की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इस आधार पर कि पूर्व सैनिक ने अपनी मर्जी से सेना छोड़ी है, उसे भर्ती से बाहर नहीं किया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने गौरव सिंह व चार अन्य की याचिका पर दिया है। याचियों ने 31 दिसंबर 2025 के विज्ञापन के तहत कांस्टेबल पद के लिए आवेदन किया था। वे पूर्व सैनिक हैं।

उन्होंने लिखित परीक्षा व शारीरिक मानक परीक्षण पास कर लिया लेकिन उन्होंने खुद के अनुरोध पर सेना से डिस्चार्ज लिया था, इस आधार पर उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल नहीं किया गया। कहा कि अपनी मर्जी से रिलीज होने वाले और अन्य कारण से रिलीज होने वाले पूर्व सैनिकों को दो अलग वर्ग नहीं माना जा सकता। इस आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने मामला विचारणीय मानते हुए राज्य सरकार से चार

सप्ताह में जवाब मांगा है। साथ ही निर्देश दिया कि याचियों को भर्ती में शामिल होने की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि केवल पीईटी में शामिल होने से उन्हें कोई विशेष अधिकार नहीं मिलेगा।

मोबाइल रिवाज जीतने का मोका!

संदेहास्पद सामग्री मिलने पर गंभीर रुख अपनाने हुए परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज के सचिव को हार्ड डिस्क के साथ हाजिर होने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने अरुण कुमार की याचिका पर दिया है। दीपेंद्र राजेश्वर परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने टेबुलेशन रजिस्ट्रार व डाउनलोडेड आवेदन फॉर्म और संत कबीर नगर खंड शिक्षा अधिकारी अरुण प्रताप सिंह ने चयन कार्यवाही के रिकॉर्ड कोर्ट में पेश किए। कोर्ट ने पाया कि इसमें संदेह पैदा करने वाली सामग्री है।

साथ ही कहा कि मामले में उचित जांच की आवश्यकता है, लेकिन जांच से पहले सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी को अगली तारीख पर यूपी टे्ट 2013 के फाइनल आवेदन वाली हार्ड डिस्क के साथ कोर्ट में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई के लिए लिए चार नवंबर की तारीख तय की गई है।

पिता के सामने ही 6 साल के मासूम को ले गया तेंदुआ, गन्ने के खेत में मिला अधखाया शव

लखीमपुर खीरी, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुधवा टाइगर रिजर्व बफर जोन की निवासन रेंज के गांव में रात पिता के साथ जा रहे एक छह साल के बालक को तेंदुआ खींच ले गया। पिता की पुकार सुनकर लोगों ने तलाश की तो जंगल से सटे गन्ने के खेत में बालक का अधखाया शव बरामद हुआ है। सिंगाही थाना क्षेत्र के टॉपरपुरवा निवासी जोगा सिंह का छह वर्षीय बेटा नवजोत अपने पिता के साथ बुधवार रात चाचा के घर से वापस आ रहा था। इसी दौरान अचानक गन्ने के खेत से निकले तेंदुए ने नवजोत को दबोच लिया और भाग निकला।

पिता जोगा सिंह की चीख पुकार पर गांव वाले भी उस ओर दौड़े। काफी मुशिकल से जंगल से सटे गन्ने के खेत में बालक नवजोत की लाश मिली, जिसका काफी हिस्सा तेंदुआ खा गया था। सूचना पर सिंगाही एसएचओ राज बहादुर सिंह मय फोर्स के साथ पहुंचे। उसके बाद बेलरायों रेंज रेंजर भूपेंद्र सिंह भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एसएचओ राज बहादुर सिंह ने बताया कि बालक का शव बरामद हो गया है। शव की स्थिति देखकर जंगली जानवर के हमले की पुष्टि हो रही है।

महंगे ब्रांड से लगजरी होटल तक का चस्का, काफी रईस है फरार माडल श्रद्धा दुबे की लाइफस्टाइल



लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या के मामले में फरार मॉडल श्रद्धा दुबे की लगजरी लाइफस्टाइल का जबरदस्त शौक है। लुई विटॉन और गुची जैसे महंगे ब्रांड्स के सामान के प्रति उसकी खास दीवानगी है। इन ब्रांड्स के सामान मंगवाकर वह सोशल मीडिया पर शो ऑफ करती थी। अपने के इंस्टाग्राम अकाउंट पर इन महंगे ब्रांड्स के सामान के साथ कई तस्वीरें और वीडियो मौजूद हैं। महंगे शौक उसकी लाइफस्टाइल का खास हिस्सा बन गया है। श्रद्धा दुबे के सोशल मीडिया अकाउंट पर उसकी आलीशान जिंदगी की झलक दिखाई देती है। वह लुई विटॉन और गुची जैसे महंगे ब्रांड्स के सामान के साथ तस्वीरें शेयर करती थी। इसके अलावा वह अलग-अलग कार्यक्रमों में बतौर गेस्ट शामिल होती थी और फोटोशूट भी कराती थी।

उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ प्रोडक्ट्स के प्रमोशन से जुड़ी पोस्ट भी मौजूद

क्या मैं अपराधी-गुंडा हूं? निशांत के सामने सफाई देने लगे नीरज बोले- कोई माई का लाल उनके चरित्र पर सवाल नहीं उठा सकता



पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्रेनुएट सीट पर एनडीए के एमएलसी कैडिडेट पर जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने नाम लिए बगैर अनंत सिंह पर निशाना साधा। बाढ़ में अंतर्गर्जित सभा में नीरज ने निशांत कुमार की मौजूदगी में लोगों से कहा कि वे गुंडा या अपराधी हैं तो बता दीजिए। कहा कि कोई माई का लाल उनके चरित्र पर सवाल नहीं उठा सकता। यह भी कहा कि किसी को ललन सिंह, आरसीपी या नीरज जैसे लोग नहीं फंसाते बल्कि उसका कर्म फंसा देता है।

बिहार में आठ सीटों पर हो रहे एमएलसी चुनाव की सरगमीं काफी बढ़ गई है। उम्मीदवारों के समर्थन में उनके नेता चुनावी

सभाएं कर रहे हैं। पटना ग्रेनुएट सीट से जदयू के उम्मीदवार नीरज कुमार को जीत दिलाने के लिए पूर्व सीएम नीतीश कुमार के पुत्र और सम्राट सरकार में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार कैपेन कर रहे हैं। इसी क्रम में निशांत प्रदेश उमेश कुशवाहा, बीजेपी विधायक ज्ञानेश कुमार ज्ञानू एवं अन्य नेताओं के साथ चुनाव प्रचार में गुरुवार को बाढ़ पहुंचे।

इस दौरान मंच से भाषण करते हुए प्रत्याशी नीरज कुमार ने अनंत सिंह पर भड़ास निकाला। खुद को नीतीश कुमार का कार्यकर्ता और निशांत कुमार का सहयोगी बताते हुए नीरज ने कहा कि वे कोई अपराधी या गुंडा नहीं हैं। कोई माई का लाल उनके चरित्र पर सवाल नहीं उठा सकता। कोई कितनी भी गाली दे दे लेकिन, जब कोई नीतीश कुमार के बारे में कोई गलत बात करेगा और निशांत कुमार को कमजोर करना चाहे तो उनका विपैला तीर चलेगा चाहे वह विरोधि पार्टी का हो, अपनी पार्टी का या गठबंधन दल का नेता हो। इसे कोई नहीं रोक सकता। नीतीश कुमार के प्रति समर्पण पर कोई अंगुलि नहीं उठा सकता। नीरज ने लोगों से

दिव्या मितल ने नई पार्टी ‘जननीति भारत’ बनाने का किया एलान 2027 का यूपी चुनाव लड़ेगी पार्टी



मिर्जापुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने अपनी राजनीतिक पारी को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने ‘जननीति भारत’ नाम से नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की है। यह पार्टी उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

दिव्या मित्तल ने कहा कि समस्या राजनीति की कमी नहीं, बल्कि लोगों की सुनवाई नहीं होने की है। उन्होंने जनता की भागीदारी, जरूरत के आधार पर फैसले और जवाबदेही को अपनी राजनीतिक सोच का आधार बताया। वीडियो संदेश में दिव्या मित्तल ने बताया कि पिछली बार राजनीति में आने की बात कहने के बाद उन्होंने लोगों से संपर्क के लिए एक नंबर साझा किया था।

इस पर इतने संदेश आए कि व्हाट्सएप ने नंबर को रोक दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इतने बड़े पैमाने पर लोगों की प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद नहीं थी।

इसकी समुचित व्यवस्था नहीं कर पाने के कारण लोगों को हुई असुविधा के लिए उन्होंने माफी भी मांगी। लोगों को प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे वह सूरज के सामने दिया लेकर खड़ी हों, जबकि उन्हें सिर्फ खिड़की खोलनी थी। उनके इस कथन के जरिए जनता की भागीदारी और समर्थन को लेकर अपने अनुभव को साझा किया। दिव्या मित्तल ने ‘जननीति भारत’ के तीन प्रमुख वचन बताए। पहला, देश की नीतियों के केंद्र में जनता होगी और नीतियां लोगों की भागीदारी से तय की जाएंगी। दूसरा, फैसले किसी की पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि जरूरत के अनुसार लिए जाएंगे।

तीसरा, हर काम के लिए जनता के प्रति जवाबदेही तय होगी और उसके आधार पर सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिसमें सरकार जनता की जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुरूप काम करे। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरने की घोषणा के साथ उन्होंने अपनी राजनीतिक दिशा भी स्पष्ट की है।

बिग बॉस 20 : लव गिल और आसिफ खान में क्यों छिड़ी जुबानी जंग?



शो 'बिग बॉस 20' में हाल के दिनों में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला है। शो में वाइल्डकार्ड के जरिए आए नकुल दुल को खेल के अहम नियम तोड़ने की वजह से बाहर कर दिया गया है। मगर, उनके आने के बाद घर वालों के बीच रिश्ते बिगड़ते दिख रहे हैं। आसिफ खान और लव गिल के बीच झगड़ा देखा गया है। किस बात पर हुई लड़ाई?

आसिफ ने लव को क्यों टोका ?

नकुल धुल के हाथापाई मामले को लेकर पूरा घर बंटा हुआ था। इस बीच लव गिल ने जाकर नकुल से बात की। यह देख बाकी घर वालों को अजीब लगा। काजी ने आसिफ और गुल्लू

के सामने कहा, 'लव ऐसा क्यों कर रही है। मेरी समझ के बाहर है'। आसिफ खान ने लव को टोका। इस पर लव ने कहा, 'मैं बोल रही हूँ कि मैंने कोई फालतू बात नहीं की'। आसिफ कहते हैं, 'अरे कुछ भी बात करी, पर ऐसे साथ में नहीं बैठना चाहिए लव तुम्हें। यह गलत बात है'।

'चापलूस' कहे जाने पर भड़की लव गिल

आसिफ के टोकने पर लव नाराज हो गईं कि आसिफ उन्हें क्यों निर्देश दे रहे हैं! इस पर आसिफ कहते हैं, 'चिल्लाकर बात मत कर।

नकुल की एंट्री से स्काउट-यंग की दोस्ती में आई दरार

आसिफ और लव एक-दूसरे पर चिल्लाने लगे। आसिफ इस दौरान लव पर बुरी तरह भड़क गए। उन्होंने लव गिल को नकुल की 'चापलूस' और 'गंवार' तक कह दिया। इतना ही नहीं, लव गिल, स्काउट और यंग डीएसए के बीच भी दोस्ती के समीकरण बदले हुए देखे गए। एक प्रोमो सामने आया है। इसमें तीनों को बहस करते देखा गया है। यंग ने स्काउट से कहा, 'मेरे को तो लगता है भाई कि वो (लव) गलत है'। इस पर लव कहती हैं, 'मुझे लगा तो मैं जाकर बात करूंगी, मैं 14 लोगों की क्यों सुनूँ?' इस पर यंग कहते हैं, 'हम तुम्हारी सेप्टी का सोच रहे हैं ना बाबा। 14 लोगों को नहीं, लेकिन हमको तो लेना-देना है।' लव के पक्ष में बोले स्काउट यंग ने स्काउट को बताया, 'आसिफ भाई ने इसको बोला कि लव ये गलत है'। इस पर स्काउट अनजान बन गए और पूछा, 'कब बोला' ? यंग ने कहा, 'तुझे सुनना नहीं आता है क्या स्काउट'। इसके बाद स्काउट ने लव गिल की तरफदारी की और बोले, 'यह इतना बड़ा मुद्दा है भी नहीं'। बाद में लव गिल ने साफ-साफ कह दिया कि मुझे कोई नहीं बताएगा कि मुझे क्या करना है और क्या नहीं'। नकुल के झगड़े के बाद घर वालों की राय बंटी हुई है।

'दीदी तेरा देवर दीवाना' के इस सीन से घबराए थे मेकर्स



माधुरी दीक्षित की फिल्म 'हम आपके हैं कौन...' बॉलीवुड की उन फिल्मों में शामिल है, जिनके गाने और सीन आज भी दर्शकों को याद हैं। साल 1994 में रिलीज हुई इस फिल्म में माधुरी और सलमान खान की जोड़ी को खूब पसंद

किया गया था। फिल्म का गाना 'दीदी तेरा देवर दीवाना' भी काफी हिट हुआ था। इस गाने में माधुरी का अंदाज और उनके कई सीन आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस गाने के एक खास सीन

माधुरी दीक्षित ने सुनाया 30 साल पुराना किस्सा

को शूट करने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी? दरअसल, फूल और गुलेल वाले इस सीन को सही तरीके से फिल्माने के लिए करीब 10 से 15 रीटेक लेने पड़े थे। फिल्म के मेकर्स को शुरुआत में यह भी चिंता थी कि कहीं यह सीन पद पर अजीब न लगे। हाल ही में माधुरी दीक्षित ने मराठी रियलिटी शो 'कोण होणार करोडपति' में फिल्म से जुड़ा यह दिलचस्प किस्सा सुनाया। शो के दौरान हॉट सीट पर बैठीं कंटेस्टेंट प्राजक्ता तावड़े ने एक्ट्रेस को खास सरप्राइज दिया। प्राजक्ता कथक डांसर हैं और वह फिल्म 'हम आपके हैं कौन...' में माधुरी के एक आइकॉनिक लुक में नजर आईं। उनके इस अंदाज को देखकर माधुरी को फिल्म की शूटिंग के पुराने दिन याद आ गए। इसके बाद उन्होंने गाने 'दीदी तेरा देवर दीवाना' के फूल और गुलेल वाले सीन के बारे

में बात की। उन्होंने बताया कि पदों पर यह सीन भले ही आसान और मजेदार नजर आता हो, लेकिन इसकी शूटिंग के दौरान कई मुश्किलें आई थीं। माधुरी ने कहा, "इस सीन को सही तरीके से शूट करने में हमें करीब 10 से 15 रीटेक लगे थे। कभी हमारा निशाना चूक जाता था, कभी फूल टूट जाता था और कभी वह गुलेल से निकलकर दूर उड़ जाता था।" एक्ट्रेस ने कहा, "मेकर्स इस सीन को लेकर काफी परेशान थे। वे सोच रहे थे कि कहीं यह खराब तो नहीं लगेगा या दर्शकों को अजीब तो नहीं लगेगा। कोरियोग्राफर्स और मैंने उन्हें समझाया कि यह कैमरे के एंगल पर निर्भर करता है और देखने में बहुत प्यारा लगेगा। हमने उन्हें भरोसा दिलाया कि हम इस सीन को क्यूट तरीके से शूट करेंगे। आखिरकार सीन शूट हुआ और यह बहुत खूबसूरत बना।"

'मर्डर 2' के बाद फिर साथ आए महेश भट्ट और प्रशांत नारायणन, निर्देशक बोले-किरदार बनते हैं यादगार

आगामी डार्क एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'नाम: टू लिव इज वॉर' में दिग्गज अभिनेता प्रशांत नारायणन की आधिकारिक रूप से एंट्री हो गई है। महेश भट्ट ने प्रशांत नारायणन की तारीफ करते हुए कहा कि उनके अभिनय में एक रॉनेस और दृढ़ विश्वास होता है जो उनके किरदारों को यादगार बनाता है। फिल्म की स्टारकास्ट के पीछे के विजन के बारे में बात करते हुए महेश भट्ट ने कहा, फिल्म 'नाम: टू लिव इज वॉर' को लेकर जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है अलग-अलग सोच और ताकत वाले कलाकारों को एक साथ लाने का मौका। उन्होंने आईएनएस से कहा, प्रशांत नारायणन के अभिनय में एक अलग ही रॉ अंदाज और दृढ़ता है, जो उनके किरदारों को यादगार बना देती है। मैंने इसका अनुभव 'मर्डर 2' में उनके साथ काम करते हुए खुद किया था और मैं हमेशा से उनके किरदारों में लाई गई ईमानदारी की सराहना करता



जेलर 2: '76 की उम्र में भी जादू कर रहे हैं' फिल्म रिलीज से पहले म्यूजिक कंपोजर ने क्यों की रजनीकांत की तारीफ ?



म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध खिचंदर ने 'जेलर 2' की रिलीज से पहले रजनीकांत की तारीफ की है। उन्होंने सुपरस्टार का अलग-अलग पीढ़ियों के दर्शकों के साथ बने लंबे समय के जुड़ाव के बारे में बात की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उन यादगार पलों के बारे में बात की, जो रजनीकांत ने अपने फैस

को दिए हैं। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अनिरुद्ध, जो दूसरे भाग के लिए भी कंपोजर के तौर पर लौट रहे हैं, ने एक प्यारा सा कैप्शन लिखा 'एक सूरज। एक चांद। और एक।' अनिरुद्ध ने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे

रजनीकांत इंडस्ट्री में दशकों बिताने के बाद भी अपनी फिल्मों को लेकर उत्साह बनाए रखते हैं।

172वीं बार चमकेगी स्क्रीन

म्यूजिक कंपोजर ने इंट्रोग्राम पर लिखा, 'पीढ़ियों से उन्होंने हमें खुशियां, हंसी, रोमांच और जीवन भर की यादें दी हैं। 76 साल की उम्र में भी वह जादू पैदा कर रहे हैं और इतिहास रच रहे हैं। कल, एक बार फिर 172वीं बार लाइटें कम होंगी, स्क्रीन जगमगा उठेगी। उम्मीद है कि आपको सभी की शुभकामनाएं मिलेंगी। दुनिया उस व्यक्ति को प्यार देगी जो हर भारतीय के दिल में बसता है।' रजनीकांत के साथ काम कर रहे अनिरुद्ध अनिरुद्ध ने 'जेलर 2' के लिए म्यूजिक कंपोज किया है। 2023 में रिलीज हुई 'जेलर' की सफलता के बाद वह रजनीकांत और निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ अपना सहयोग जारी रख रहे हैं। ओरिजिनल फिल्म के म्यूजिक और बैकग्राउंड स्कोर ने रजनीकांत के किरदार, टाइगर मुथुवेल पांडियन के आस-पास माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

इमरान हाशमी की फिल्म के सेट पर पलटी एसयूवी नीचे खड़ी वैन से कार टेकराई घटना का वीडियो आया सामने इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म गनमास्टर G9 के सेट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। इसमें हवा में पलटी एसयूवी नीचे खड़ी वैन पर गिरती दिख रही है। वीडियो में आउटडोर सेट पर एक कार स्टैंड नजर आ रहा है। हालांकि मेकर्स ने अब तक नहीं बताया कि यह सब प्लान किया गया था या स्टैंड के दौरान हादसा हो गया। हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वीडियो में एसयूवी के नीचे गिरते ही क्रू मेंबर्स और आसपास मौजूद लोग उसकी ओर भागते दिखते हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि जब क्रैन का मैकेनिज्म फेल हुआ और हवा में घूम रही एसयूवी नीचे गिरी, तब इमरान हाशमी वहीं जमीन पर खड़े थे। वह गाड़ी उनके चेहरे से महज एक फीट (या कुछ इंच) की दूरी पर आकर नीचे खड़ी वैन से टकराई। हालांकि, वीडियो में इमरान हाशमी क्लियर नहीं दिख रहे हैं।

वर्ल्ड स्टूडेंट्स डे के मौके पर संदीपा धर ने अपने व्यक्तित्व को संवारने में शिक्षा और शिक्षकों की भूमिका को बताया अहम

मुंबई वर्ल्ड स्टूडेंट्स डे के मौके पर अभिनेत्री संदीपा धर ने अपनी जिंदगी में शिक्षा की अहमियत पर बात की और बताया कि किस तरह शिक्षा, उनके माता-पिता और शिक्षकों ने उनके व्यक्तित्व और सोच को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने सफर को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनकी शिक्षा का बड़ा योगदान है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी कॉमेडी सीरीज चुंवक को मिल रहे प्यार पर भी खुशी जाहिर की और बताया कि कैसे इस शो ने उन्हें एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने का मौका दिया। अपनी जिंदगी में शिक्षा को भूमिका पर बात करते हुए संदीपा ने कहा, मुझे लगता है कि आज मैं जो भी हूँ, उसमें शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान है। मेरे माता-पिता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि मुझे अच्छी शिक्षा मिले। यहां तक कि जब मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी, तब भी उन्होंने मुझे कहा कि पहले अपनी मास्टर डिग्री पूरी करो और फिर जो करना है, वह करो। मुझे लगता है कि यह माता-पिता की बहुत आम प्रतिक्रिया होती है!



अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि उनकी कॉमेडी पर दर्शकों की प्रतिक्रिया उनके लिए सुखद आश्चर्य रही है। उन्होंने कहा, मैंने पहले भावनात्मक रूप से गहरी भूमिकाएं निभाई हैं और लोगों ने चुंवक और मेरे किरदार किरण केजरीवाल को बहुत प्यार दिया है। मुझे नहीं पता कि इसमें उनके सरनेम का कोई योगदान था या फिर किरदार की वजह से ऐसा हुआ! जब आप किसी चीज पर इतनी मेहनत करते हैं और वह लोगों को पसंद आती है, तो हमेशा बहुत अच्छा लगता है।

रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा, शेफाली बग्गा का फिल्म में आना स्वागत योग्य है, वह अपनी अलग पर्सनैलिटी और स्क्रीन प्रेजेंस को कास्ट में लेकर आई हैं। दोनों अभिनेता टेबल पर कुछ अलग लेकर आते हैं, और यह विविधता तब बहुत जरूरी होती है जब आप कई किरदारों और परतों वाली कहानी बता रहे होते हैं। निर्माता रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय ने एक संयुक्त बयान में कहा, महेश भट्ट जैसे विजनरी के साथ काम करना एक शानदार सफर है। 'नाम: टू लिव इज वॉर' के लिए हम एक ऐसी स्टारकास्ट चाहते थे जो सिर्फ किरदार न निभाए, बल्कि उन्हें जिए। वीर, वरुण, प्रशांत, विजयवंत और शेफाली जैसे अलग-अलग टैलेंट को एक साथ लाने से स्क्रीन पर एक जादुई तालमेल बना है। हम एक ऐसी फिल्म पेश करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं जो अपने अभिनय में उतनी ही दमदार है जितनी अपनी कहानी में।

रणवीर शौरी : एक्टर को मिली जान से मारने की धमकी

सीजेपी प्रदर्शन की आलोचना करना पड़ा भारी

अभिनेता रणवीर शौरी ने बीते दिनों सीजेपी स्ट्रीट प्रोटेस्ट की आलोचना की थी। अब एक्टर ने यह खुलासा किया है कि इसके बाद उन्हें कई तरह की धमकियां मिलनी शुरू हो चुकी हैं। जाते क्या है मामला ? अभिनेता रणवीर शौरी ने आरोप लगाया है कि कॉर्कोरच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन की आलोचना करने के बाद उन्हें जान से मारने की धमकियां मिली हैं। उन्होंने धमकी भरे ईमेल के स्क्रीनशॉट एक्स पर साझा किए और साइबर अधिकारियों तथा मुंबई पुलिस से मदद मांगी। उन्होंने बताया कि एक ईमेल, जो कथित तौर पर राज परिहार नाम के किसी व्यक्ति द्वारा भेजा गया था, उसमें अपशब्दों का प्रयोग किया गया था और दावा किया गया था कि भेजने वाला शौरी के ठिकाने और गतिविधियों पर नजर रख रहा है। भेजने वाले ने अभिनेता पर अपनी मर्जी से हमला करने की धमकी भी दी। क्या था रणवीर का पोस्ट ? रणवीर शौरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, 'हैलो साइबर दोस्त, कृपया ध्यान दें कि मुझे इन दो ईमेल खातों से निम्नलिखित धमकियां प्राप्त हुई हैं। धन्यवाद।' इसके साथ उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही है। कोई है जो उनकी हर गतिविधियों पर



नजर रख रहा है। अभिनेता के पोस्ट के बाद मुंबई पुलिस ने उनके पोस्ट का जवाब दिया और उनसे डायरेक्ट मैसेज के जरिए अपने संपर्क विवरण साझा करने को कहा। शौरी ने कार्रवाई के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया और धमकियों के संबंध में एक आधिकारिक शिकायत भी दर्ज कराई। कुछ

दिनों पहले एक्टर रणवीर शौरी ने सीजेपी के स्ट्रीट विरोध प्रदर्शन की आलोचना की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'संसद और मतदान में अपनी संख्या दिखाएं, सड़कों पर नहीं! अगर अगर ये रास्ते अन्यायपूर्ण लगते हैं, तो अदालतों का सहारा लें! यही लोकतांत्रिक तरीका है!